श्री राम

7119 BCE

कॉस्मोलॉजिकल टाईमलाईन

शास्त्र एवं विज्ञान के समन्वय से

मौलिक भट्ट

श्री राम - कॉस्मोलॉजिकल टाइमलाइन

शास्त्र एवं विज्ञान के समन्वय से,

वाल्मीकि रामायण के अनसुलझे रहस्यों का सही आकलन

सटीक समय-निर्धारण, वह भी आज के समय प्रचलित कैलेंडर के अनुरूप

- **श्री राम का जन्म कब हुआ? कितने वर्ष पहले हुआ?**
- **वर्तमान कैलेंडर के अनुसार श्री राम की जन्म तारीख कौन सी है ?**
- **श्री राम का विवाह कब हुआ?**
- **श्री राम और रावण का युद्ध कब हुआ?**

श्री राम के जीवन काल की ऐसी कई घटनाओं का

सटीक समय संशोधन इस ग्रंथ में है।

वाल्मीकि रामायण की समिक्षित आवृत्ति के आधारित शोध के परिणाम स्वरूप

रामायण के रहस्यों का चिंतन : श्री राम -कोस्मोलोजिकल टाइम लाइन|

ग्रन्थ कार –

मौलिक भट्ट,

शोध विशेषज्ञ

परामर्शक -

प्रो. डॉ. कमलेश कुमार चोकसी,

निदेशक – भाषा साहित्य भवन, गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद

प्रो. डॉ. मयूरी भाटिया,

निदेशक – महर्षि पाणिनि संस्कृत संवर्धन केंद्र, गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद

श्री राम - कॉस्मोलॉजिकल टाइमलाइन

श्री राम के जीवनकाल की ब्रह्मांडीय समय रेखा का निर्णय करना

स्त्रोत कांड

सर्ग १ - समय रेखा की आवश्यकता
सर्ग २ - समय रेखा के लिए स्त्रोत
सर्ग ३ - समय रेखा की प्रस्तुति

निर्णय कांड

सर्ग १ - श्री राम के समय का तिथि पत्रक का निर्णय
सर्ग २ - श्री राम के समय का ऋतु चक्र का निर्णय
सर्ग ३ - वर्तमान समय के साथ तुलनात्मक अध्यन
सर्ग ४ - श्री राम के जीवन से जुडी घटनाओ का समय निर्णय

प्रणाली कांड

सर्ग १ - समय रेखा निर्णय के लिए सबसे उचित प्रणाली कौनसी

साधन कांड

सर्ग १ - समय रेखा निर्णय के लिए सबसे उत्तम तकनीक कौनसी

सावधिक कांड

सर्ग १ - इतिहास से प्राप्त अवधि
सर्ग २ - विज्ञानं से प्राप्त अवधि

विवरण कांड

सर्ग १ - समय मापन की आधुनिक तकनीक
सर्ग २ - समय मापन की भारतीय तकनीक
सर्ग ३ - भारतीय वैदिक ज्योतिष सिद्धांत
सर्ग ४ - ऋतु चक्र और अयन

त्रुटि कांड

सर्ग १ - श्री राम के जीवन काल की सटीक समय रेखा के निर्धारण की त्रुटियाँ

The Valmiki-Ramayana -Critical Edition

- श्री वाल्मिकी कृत रामायण के क्रिटिकल एडिशन को तैयार करने के लिए २००० से भी ज्यादा हस्तलिखित ग्रंथ (Manuscript), को बारीकी से जाँच कर बहुत सावधानी पूर्वक संवीक्षा करके ८६ हस्तलिखित ग्रंथ (Manuscript) चुना गया, २४ वर्षो की मेहनत से तैयार किया गया ग्रन्थ

साधन – तकनीक

भारतीय ज्योतिष का आज जो स्वरूप प्रचलित हे
उसके गणित - मापन का
भारतीय वैदिक ज्योतिष के गणित मापन के साथ मेल नहीं हे

सर्व प्रथम भारतीय वैदिक ज्योतिष के सिद्धांतो के अनुरूप रूद्र सिद्धांत की रचना

आधुनिक विज्ञान के आधार पर तैयार की गए
प्रचलित एस्ट्रोनॉमी सॉफ्टवेयर में त्रुटियां है

प्रचलित एस्ट्रोनॉमी सॉफ्टवेयर की त्रुटिओ को शुद्ध कर के

श्री राम के जीवन काल की समय रेखा का आकलन

जन्म
22/ 02/ 7119 BCE

00 वर्ष

उपनयन संस्कार

ऋषि विश्वामित्र
के साथ प्रस्थान

विवाह संस्कार

पंचवटी आश्रम

वनवास दरम्यान
पंचवटी

वनवास गमन

10 वर्ष वनवास दरम्यान मुनिओ
के साथ विभिन्न आश्रम मे

माता सीता
का अपहरण

राजा सुग्रीव का
राज्याभिषेक

श्री राम, सेना के साथ
समुद्र किनारे

श्री राम का
अयोध्यामें पुनरागमन

राजा रावण का वध

श्री राम और राजा रावण
के बीच युद्धारम्भ

वाङ्मयमखिलं द्रष्टवा खगोलमखिलं तथा ।
श्रीमद्रामचन्द्रस्य स्थिति–तिथि–निरूपिता ।।

संस्कृत का समग्र वाङ्मयजेख कर तथा खगोल का भी निरिक्षण – परीक्षण करके यह ग्रन्थ में श्री रामचंद्रकी स्थिति की तिथि को वर्णित किया गया है।

प्रो. डॉ. कमलेश कुमार चोकसी,

निदेशक – भाषा साहित्य भवन, गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद

सूर्य सिद्धांत के आलोक में वाल्मीकि रामायण के संशोधित संस्करण के मानकों के माध्यम से कालातीत रघुवर के गर्भकाल प्रभव तक पहुँचने की यात्रा.... 'श्री राम'

प्रो. डॉ. मयूरी भाटिया,

निदेशक – महर्षि पाणिनि संस्कृत संवर्धन केंद्र, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

Gujarat University | CRF | Rudra Publication

9 789383 944118

Contact – 9574505066 | maulik1725@gmail.com